Press Release

TATA POWER-DDL

सोमवार, 8 अप्रैल, 2024 **तत्काल प्रकाशनार्थ**
नई दिल्ली

टाटा पावर-डीडीएल ने राजधानी दिल्ली में गर्मियों के मौसम के मद्देनज़र तैयारियां पूरी की

• दिल्ली में गर्मी के सीज़न में मांग में 8000 MW से अधिक बढ़ोतरी की संभावना

• कंपनी ने इस सीज़न में पीक समर डिमांड 2351 MW तक पहुंचने का अनुमान जताया

• पिछले समर सीज़न में, कंपनी ने 2218 MW (अगस्त 2023) की पीक पावर डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा किया

अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल ने, जो कि नॉर्थ दिल्ली में 70 लाख की आबादी को बिजली सप्लाई करती है, इस बार गर्मियों के सीज़न में पीक लोड 2351 मैगावाट तक पहुंचने की संभावना के मद्देनज़र बड़े पैमाने पर तैयारियां की हैं। कंपनी ने दीर्घकालिक, मध्य-कालिक और लघु अवधि में 2500 मैगावाट (जो कि आपातकालीन तैयारियों के अतिरिक्त है) तक की बिजली की व्यवस्था की है।

इस साल बढ़ते तापमान को देखते हुए, राजधानी दिल्ली की पीक डिमांड जून के आखिरी और जुलाई के शुरुआती हफ्तों में 8000 मैगावाट तक रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, नॉर्थईस्ट भारत के अधिकांश भागों में इस साल तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। पिछले साल गर्मियों में टाटा पावर-डीडीएल के परिचालन क्षेत्रों में अधिकतम पावर डिमांड 2182 मैगावाट दर्ज की गई थी।

टाटा पावर-डीडीएल बेराकटोक बिजली सप्लाई उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कंपनी ने इसके लिए 'द्विपक्षीय समझौतों' और 'रिज़र्व शटडाउन' तथा 'पावर एक्सचेंज' जैसी व्यवस्था की है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए, कंपनी एक्सचेंज से लघु अवधि के लिए बिजली खरीद भी कर सकती है। इसके अलावा, कंपनी को पावर डिमांड संबंधी आकलनों में मदद के लिए एडवांस लोड-फोरकास्टिंग एंव मॉडलिंग तकनीकों की भी मदद ली जा रही है।

रोहिणी और रानी बाग स्थित कंपनी के बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स (बीईएसएस) के जरिए गर्मी के महीनों में किसी भी आपातकालीन स्थिति में प्रमुख उपभोक्ताओं को निरंतर पावर सप्लाई की जाएगी। ये बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स ऑफ-पीक समय के दौरान चार्ज होते रहते हैं और पीक डिमांड के दौरान पावर डिस्चार्ज करते हैं, साथ ही, ये बिजली स्टोर करने और मिलीसेकंड्स से लेकर सेकंडों में उसे डिलीवर भी कर सकते हैं, जिससे इलैक्ट्रिक ग्रिड के अस्थिर होने की संभावना घटती है और साथ ही, अतिरिक्त एनर्जी को एकत्र कर डिमांड होने पर डिलीवर किया जा सकता है।

टाटा पावर-डीडीएल ने भरोसेमंद पावर सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए एडवांस टैक्नोलॉजी भी लगायी है, जैसे एडवांस स्टैटिस्टकल फोरकास्टिंग मॉडल, और उसके साथ ही, अत्याधुनिक वैदर फोरकास्टिंग सॉल्यूशंस, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल)।

टाटा पावर-डीडीएल के क्षेत्रों में समर पीक डिमांड ट्रैंड्सः

2024-25: 2351 मैगावाट (अनुमानित)

2023-24: 2218 मैगावाट

2022-23: 2028 मैगावाट

2021-22: 2106 मैगावाट

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के सीईओ श्री गणेश श्रीनिवासन ने कहा, *"टाटा पावर-डीडीएल में हम अपने उपभोक्ताओं के लिए भरोसेमंद बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने तत्पर हैं। जैसे-जैसे गर्मी का मौसम नजदीक आ रहा है, हमने उसे देखते हुए अपने क्षेत्र में इस सीज़न में पीक डिमांड 2351 MW के स्तर तक पहुंचने का अनुमान लगाया है और हम इस मांग को पूरा करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हमने अपने नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने और टैक्नोलॉजी को उन्नत बनाने पर भी निवेश किया है ताकि बिना किसी बाधा के ऑपरेशन जारी रहे। हमने अपने पूरे डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क में सुरक्षा उपायों और रखरखाव गतिविधियों पर जोर दिया है। साथ ही, सब-स्टेशनों पर लोड बैलेंसिंग की है, अतिरिक्त मैनपावर की तैनाती की है, मोबाइल ट्रांसफॉर्मरों को क्विक रिएक्शन टीमों की तैनाती की है ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।"*

कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं को बेराकटोक पावर सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए निम्न उपाय भी किए हैंः

नेटवर्क को मजबूत बनाने के इंतजाम

- बढ़ते लोड की जरूरत पूरी करने के लिए नए ट्रांसफॉर्मरों के अलावा मौजूदा डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफार्मरों को बढ़ाना
- सभी महत्वपूर्ण इलैक्ट्रिकल इंस्टॉलेशंस का उनकी स्थिति के मुताबिक रखरखाव

ट्रिपिंग कम करनाः

- 11 kV और DTs का थर्मो-स्कैनिंग तथा भौतिक रूप से जांच करने के बाद रखरखाव
- दोषपूर्ण यूनिटों को बदलना और नियमित रूप से पेड़ों की कंटाई-छंटाई
- सभी ग्रिड सबस्टेशन उपकरणों के लिए इंफ्रा-रेड एंड अल्ट्रासाउंड
- ग्रिड स्विचगियर का बचाव हेतु रखरखाव
- सब-ट्रांसमिशन ओवरहेड लाइनों का वेजीटेशन मेंटीनेंस

रखरखाव और बैकअप

किसी भी प्रकार की आपातकालीन समस्या से निपटने के लिए ब्रेकडाउन के मद्देनज़र मोबाइल डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मरों की व्यवस्था की गई और इन्हें पूरे डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क पर लगाया गया है। साथ ही, कॉल सेंटरों पर अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गई है। इसके अलावा, सब-ट्रांसमिशन सिस्टम में ब्रेकडाउन और सप्लाई बहाली के लिए भी राउंड-द-क्लॉक टीमों का बंदोबस्त किया गया है।

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर का ज्वाइंट वैंचर है। कंपनी नॉर्थ दिल्ली में करीब 7 मिलियन की आबादी के लिए पावर सप्लाई करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसे उपभोक्ता केंद्रित व्यवहारों के लिए जाना जाता है। निजीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। और सभी वर्टिकल्स में एडवांस्ड टैक्नोलॉजी अपनाकर बिजली वितरण के परिदृश्य में व्यापक बदलाव लया है। वर्तमान में एटीएंडसी नुकसान 6.34% है, जिसमें जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान में अप्रत्याशित कमी आई है। और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

For further information please contact:

Corporate Communications:		**Slough PR:**
Sonia Sarin	(9910292599)	Abhishek Anand (9711061540)